B.A.- I (CBCS Pattern) Sem-I

BA12B-4 - Pali & Prakrit Literature (पालि वाङ्:मय)

P. Pages : 4 **GUG/W/22/10013**

Time : Three Hours * 0 1 8 8 * Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. स्वीकृत माध्यमातून उत्तरे लिहा.
स्विकृत माध्यम में उत्तर लिखिए।

1. ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

अ) "यावकीवं च मे, भिक्खवे, इमेसु चतुसु अरियसच्चेसु एवं तिपरिवट्ट व्दादसाकार यथाभूतं ञाणदस्सनं न सुविसुध्दं अहोसि, नेव तावाहं, भिक्खवे, सदेवके लोके समारके सब्रहमके सस्समणब्राहमणिया पजाय सदेवमनुस्साय अनुत्तरं सम्मासम्बोधी अभिसम्बुध्दो ति पच्चञ्सासिं। यतो च खो मे, भिक्खवे, इमेसु चतुसु अरियसच्चेसु एवं तिपरिवट्ट व्दादसाकारं यथाभूतं ञाणदस्सनं सुविसुध्दं अहोसि अथाहं, भिक्खवे, सदेवके लोके समारके सब्रहम के सस्समणब्राहमणिया पजाय सदेवमनुस्साय अनुत्तरं सम्मासम्बोधी अभिसम्बुध्दो ति पच्चञ्ञासिं। ञाणंच पन मे दस्सनं उदपादिं अकुप्पा मे विमुतिं अयमन्तिमा जाति नत्थि दानि पुनब्भवो" ति।

किंवा / अथवा

अथ खो तपुस्सभल्लिका वाणिजा मन्थं च मधुपिण्डिकं च आदायं येन भगवा तेनुपसङ्कमिंसु, उपसङ्कमित्वा भगवन्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं अट्ठसु। एकमन्तं ठिता खो तपुस्स भल्लिका वाणिजा भगवन्तं एतदवोचुं - "पटिग्गण्हातु नो, भन्ते, भगवा मन्थं च मधु पिण्डिकं च, यं अम्हाकं अस्स दीघरन्तं हिताय सुखाया" ति। अथ खो भगवतो एतदहोसि "न खो तथागता हत्थेसु परिग्गहन्ति। किम्हि नु खो अहं पटिग्गण्हेय्यं मन्थं च मधुपिण्डिकं चा "ति? अथ खो चत्तारो महाराजानो भगवतो चेतसा चेतोपरिवितक्कमञ्ञाय चतुद्दिसा चत्तारो सेलमये पत्ते भगवतो उपनामेसुं - "इध, भन्ते, भगवा पटिग्गण्हातु मन्थं च मधुपिण्डिकं चा" ति।

ब) तीन संगीतिच्या आधारे तिपिटकाचे संकलन सांगा. **6**
तीन संगीतियों के आधार पर तिपिटक का संकलन बताईए।

2. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

1) पुनप्पुनं याचनका चरन्ति,
पुनप्पुनं दानपती ददन्ति।
पुनप्पुनं दानपती ददित्वा,
पुनप्पुनं सग्गमुपेन्ति ठानं॥

2) वीरो हवे सत्तयुगं पुनेति,
यस्मिं कुले जायति भूरिपञ्ञो।
मञ्ञामहं सक्कति देवदेवो,
तया हि जातो मुनि सच्चनामो॥

3) सुध्दोदनो नाम पिता महेसिनो,
बुध्दस्स माता पन मायनामा।
या बोधिसत्तं परिहरिय कुच्छिना,
कायस्स भेदा तिदिवम्हि मोदति॥

4) सा गोतमी कालकता इतो चुता,
दिब्बेहि कामेहि समङ्गिभूता।
सा ओदति कामगुणेहि पच्चहि,
परिवारिता देवगणेहि तेहि॥

किंवा / अथवा

1) विपुलं अन्नं च पानं च, समणान पवेच्चसि।
रोहिनी दानि पुच्छामि, केन ते समणा पिया॥

2) अकम्मकामा अलसा, परदत्तूपजीविनो।
आसंसुका सादुकामा, केन ते समणा पिया॥

3) चिरस्स वत मं तात, समणानं परिपुच्छसि।
तेसं ते कित्तयिस्सामि, पञ्ञासीलपरक्कमं॥

4) कम्मकामा अनलसा, कम्मसेट्ठस्स कारका।
रागं दोसं पजहन्ति, तेन मे समणा पिया॥

ब) चाफा थेरीचा जीवन वृत्तांत सांगा. **6**
चाफा थेरी का जीवन वृत्तांत बताईए।

किंवा / अथवा

सोपाक थेराचा जीवन वृत्तांत लिहा.
सोपाक थेर का जीवन वृत्तांत लिखिए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

सर्वत विजितम्हि देवानंप्रियस पियदसिनो राजो एवमपि प्रचंतेसु यथा चोडा पाडा सतियपुतो केतलपुत्तो आ तबपंणी अंतियको योन राजा ये वा पि तस अंतियकस सामीपं राजानो सर्वत्र देवानंप्रियस प्रियदसिनो राञो व्दे चिकीछ कता मनुसचिकीछा च पसुचिकीछा च। ओसुढानि च यानि मनुसोपगानि च पसोपगानि च यत यत नस्ति सर्वत्रा हारापितानि च रोपापितानि च।

किंवा / अथवा

देवानंपियो पियदसि राजा एवं आह व्दादसवासाभिसितेन मया इदं आत्रपितं सर्वत विजिते मम युता च राजू के च प्रादेसिके च पंचसु पंचसु वासेसु अनुसंयानं नियातु एतायेव अथाय इमाय धमानुसस्टिय यथा अञाय पि कमाय। साधु मातरि च पितरि च सुसूसा मित्रसस्तुतत्रातीन ब्राह्मण समणानं साधु दानं प्राणानं साधु अनारभो अपव्ययता अपभांडता साधु। परिसा पि युंते आत्रपयिसति गणनायं हेतुतो च व्यंजनतो च।

ब) गिरनार शिलालेख 'प्रथम अभिलेख' लिहा. **6**
गिरनार शिलालेख 'प्रथम अभिलेख' लिखिए।

किंवा / अथवा

'सम्राट अशोक बौध्द राजा होता' स्पष्ट करा.
'सम्राट अशोक बौध्द राजा था' स्पष्ट कीजिए।

4. अ) विभक्ति प्रत्यय लिहा **कोणतेही एक** **4**
विभक्ती प्रत्यय लिखिए **कोई भी एक**
1) बुध्द 2) लता 3) मुनि

ब) वर्तमान काळातील धातुचे प्रत्यय लिहा **कोणतेही दोन**. **4**
वर्तमान काल के धातु के प्रत्यय लिखिए। **कोई भी दो**
कर, मर, पच, गम

क) पालित भाषांतर करा. **4**
पालि में अनुवाद कीजिए।
1) ती पुस्तके वाचते.
वह किताबे पढ़ती है।
2) तो काम करणार नाही
वह काम नहीं करेंगा।
3) भिक्खू गावात जातो.
भिक्खु गाव में जाता है।
4) आम्ही तिपिटक ग्रंथ वाचतो.
हम तिपिटक ग्रंथ पढ़ते है।

ड) स्वीकृत माध्यमात भाषांतर करा. **4**
स्विकृत माध्यम में अनुवाद कीजिए।
1) सो याचको वालुकायं निसीदति।
2) सो दारको गाथायो पठति।
3) अहं गाभं गच्छामि।
4) सा पोत्थक पस्सति।

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही दोन**. **6**
टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी दो**।
1) विनयपिटक 2) अजपालकथा
3) थेरगाथा 4) थेरीगाथा

ब) पर्यायी उत्तर लिहा. **10**
पर्यायी उत्तर लिखिए।
1) महावग्ग कोणत्या ग्रंथात येते.
महावग्ग किस ग्रंथ में आता है।
1) सुत्तविभंग 2) सुत्तपिटक
3) सुत्तनिपात 4) विनयपिटक

2) पातिमोक्खाचे नियम किती आहेत.
पातिमोक्ख के नियम कितने है।
1) 227 2) 228
3) 547 4) 544

3) गोतम बुध्द स्वत:ला सम्बोधित.
गोतम बुध्द खुद को संबोधते थे।
1) गोतम बुध्द 2) तथागत
3) शाक्यमुनी 4) शास्ता

4) प्रथम उपदेश इथे दिला होता.
प्रथम उपदेश यहाँ दिया था।
1) वैशाली 2) पाटलीपुत्र
3) वारानसि 4) मगध

5) "सकायनिरुत्ति" म्हणजेच।
सकायनिरुत्ति" याने
1) पैशाची 2) मराठी
3) पालि 4) प्राकृत

6) थेरीगाथेत एकूण गाथा किती आहेत.
थेरीगाथा में कुल कितनी गाथाएँ है।
1) 522 2) 524
3) 528 4) 547

7) तपस्वी उपकाच्या पत्निचे नाव.
तपस्वी उपक के पत्नि का नाम।
1) रोहीनी 2) पुण्णा
3) चापा 4) तिस्सा

8) पालित किती "व्यंज्जन" आहेत.
पालि में कितने "व्यंज्जन" है।
1) 43 2) 33
3) 23 4) 24

9) पालित "स्वर" किती आहेत.
पालि में "स्वर" कितने है।
1) 8 2) 10
3) 12 4) 14

10) प्रथम धम्मसंगिती कोठे भरली होती.
प्रथम धम्मसंगिती कहाँ हुई थी।
1) राजगृह 2) मगध
3) वैशाली 4) कपिलवस्तु

****